

DPN 6346

Title : गीत गोविन्द GĪTA GOVINDA

Run. No. 7037

Cat. No.

Micro. No.

Subject Song.

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt.- New. / Maith.- New. / New.- Nep. /

Size in cms. 20 x 8.3

Folios 44 Lines (in a page) 6

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Mānadāsa Sugatādaśa

Author / translator जयदेव
JAYADEVA

Scribe / donor

मानदास सुगतदास

Date: NS / SS / VS / KS

Owner / Ruler / place

महेन्द्रसिंह अमात्य / क्वाथलाषु हैं

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. : Macchendra Sinha Amatya
Kwāthala Khar Chhe.

Material : palmleaf / paper / thyasaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

□ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥ ते देव ते देवमंवरं वनभुवः शमामास्तमाला दुर्मे
नक्तं भीरुरयं त्वमेव जयदेवं राधे वृद्धं प्रापय ॥
P.T.O.

△ इति श्री हरिचरण स्मरणा पद्मावती रमण कविराज जयदेव कृतं
गीतगोविन्दं समाप्तम् ॥

एवं पुस्तकं कायलं ~~खू~~ दे अमात्य मधेन्द्रसिंहया जुगो ॥ शुभमस्तु ॥

जयदेवकृत गीतगोविन्द

मानदास सुगत दासया संकलनं
आशा सफू-कथियात उपहार !

गी ०२५
५

श्रीगणेशायनमः श्रीकृष्णायनमः ॥ मधुमेधुनमं वनं वनशुवः ॥ १ ॥
सुमालयुधेन कंलीनृनयं स्वमवर्तयि संनाधगृहं प्रायय ०० नंदनि ॥
मगच्छति गच्छाः प्रयच्छं कृच्छं मनाधनाधवशा ऊयंति यमना कलन
हः कलय ॥ २ ॥ वाग्दवना चतिन विप्रिद विरु सप्रायप्रावती चनल
चात्रल चक्रवर्ती श्रीवासूद वनमिकलिकथा समनमं कनामिकुयद
वकविप्रबंधं ॥ २ ॥ यदिह निस्मनल सन संमना यदि विलासकला

मानदास सुगत दासया संकलनं
बाशा सफू-कुथियात उपहार !

नाम

नितं विनीतं विनकुपप्रभु कयूतिः कलुलवासुमरुः संकनमालां प्रविमसुराधमाला धना

न ३

सूक लहलं मधुन कामलसंग पदावलीं गृह लूत दाऊयद वसन स्वती ॥
॥ ३ ॥ वाचः सलवय सुमायमिधनः संदर्भ मुद्रिनि नोजानी गऊयद वप्रव
मनलं मधुना इन्द्र हडूत मं मना कृतम सुमयं चने नाचार्य गमवर्द्धनस्यः
ईकापिन निभुगः भुगिधना धमी कविष्कायतिः ॥ ४ ॥ गीत ॥ पुलय
पयाधिक लभत वानसि वदं विहितं वहिश्च त्रिगुमखदं कठावधुत
मीनमत्रीन ऊयऊ मदीमहन ॥ १ ॥ इति निति विपूलन न वतिष्ठति

यनययया ॥ १ ॥

मालवनागनाऊः ॥

॥ १ ॥ वह निदमन विषय प्रधन लिखत वल ग्ना भिनि कलंक कल वने म
ग्न क भव धन भूक न नूय ऊ य ऊ ग दी भ ह न ॥ २ ॥ त व क न क म ल व न
न ख म हू न भं गं द लि त दि न ल क भि पू न नू हं गं क भ व ध न न न ह नि नू य ऊ
य ऊ ग दी भ ह न ॥ ३ ॥ क ल य सि वि कु म ल व लि म हू न वाम न प द न ख नी
न ऊ नि त ऊ न या व ल कं भ व ध न वाम न नू य ऊ य ऊ ग दी भ ह न ॥ ४ ॥

शम.

कृत्तियन्त्रिभिनमसजगदयगतययसिधयसिधमिगहवतायंकभब
धनहृगुयमिन्त्रयजयजगदीभहन् ॥ १ ॥ विगनसिदिहृनलदिग्नतिकम
नीयंदभमूखमोलिवलिनमनीयंकभबधनघूपमिन्त्रयजयजगदीभह
न् ॥ १ ॥ ब्रह्मिबपूषिविषदवसनंजलदारं हलहमिहीमिमिलिगयम
नारंकभबधनहलधनन्त्रयजयजगदीभहन् ॥ ८ ॥ निंदसियहृवित्
नहहृमिजातंसदयहृदयदमितंयमुद्यातंकभबधनवृद्धमनीनेजयज

गी. ७८५

३

दि. ३

गदी भरन ॥ ९ ॥ सुनिवहनिधनकलयसिकनवालंधमकडुमिवकिम
पिकनालंककभवधनकलिकभनीनऊयऊगदी भरन ॥ १० ॥ श्रीऊयदेवक
वनिदमूतमूदानंभलसुखदंसेरुदंरुवसानंकभवधनदभविधनय
ऊयऊगदी भरन ॥ ११ ॥ वदानुवनगऊगनिवहनरुगलसमूदियनदयं
दानयनवलिकलनयनकडुयंरुदंनपोलसंऊयनहलंकलयनक
नयमागनयनसुकाभूयनदभहगिहगभूफायतुर्नमः ॥ ॥

३

नाम.

भामासकभीमलयदुमालीमदलसयलनगलजागा. भूतः सुनालमदधनीविरासंनंजी
गीत ॥ ॥ भिगकमलादुचमलुलधनकलुलचकलिनलसिनवनमालऊ
यऊयदेवहन ॥ १ ॥ दिनमलिमलुलमलुनरुवधेलुनचमूनिऊनमा
नसहंसऊयऊयदेवहन ॥ २ ॥ कालियविषधनगऊनऊननेऊनच
यदुवलनलिनदिनभा ॥ ३ ॥ मधूमूनननकविनाभनगनूजसनचसूनरु
लकलिननिदान ॥ ४ ॥ अमलकमलदललोचनरुवभीचनचशिशुव
नरुवननिधान ॥ ५ ॥ ऊनकसूगकनगूषलजिह्वदधलचसमनभामि

मूलादशि
शुक्रनीयं ॥

भितकमना ॥ २ ॥ २

गी० रु०

तदभकल॥ ६ ॥ अहिनवजलधनसूदनधनमन्दनप्रणीमुखचन्द्रचका
 न॥ ७ ॥ श्रीजयदेवकवनिदंकरनमदेप्रमंगलमूकलगीतं॥ ८ ॥
 पद्मापयाधनगटीयनिनकलग्नकाष्ठीनमृदितमनामधूसदमस्य॥
 व्यकानूनागमिवलिकुदनकुलदसदासुपूतैः उप्रियस्यः॥ वसनेवा
 मकीकुसुमसूक्तमार्गनवयवकुसुमीकाकानवकुविहितवृष्णानसुन
 लभम्भूमन्दकन्दर्पकनजनिगविनाकुलनयावलकाधनाधोसनस
 मनपूत३

४

नामः

मिखलिवर्हायवद्वचूपुष्पुनिकंरुगलनोकरलः॥ उमंमूदानाममंनंगमूर्तिर्महा॥ मंगल

मिदमूचसहचरी॥ ॥ गीत॥ वसन्तनागनूयकनाल॥ ललितलवंगः
 लतापनिमीलनकाममसलयसमीनमधुकननिकनकनंविनकाकिलक
 जितकुंजकूटीनविहंगमहनिनिहसनसवसंगनृचगियुवगिजननस
 मंसखिविनिहिजबनस्मदनक॥ १ ॥ उमदमदनमनानथपथिकव
 धूजनजनिगविलाप॥ अलिकलसंकलकसुमसमूहनिनाकुलवकुल
 कलाप॥ २ ॥ मृगमदसोनहनरुसवधवदनवदलसालगमाला॥ य

मंगलनामः॥

ललितगीत॥ ३॥ १

गी. ७८५

कतिपयवर्षास्यैव काननानि ००० हिदहतिचतः कतकीगन्धवः
धूः प्रसन्नदसमवालयपालवन्धवाहः ॥ नृणां सङ्गवसुङ्गकवल
श्लोभादिवन्धवसंप्रालयप्रवनच्छयान्नसत्रतिशोवधुलोत्तानिलः ॥ किं
विस्मिन्धनसालमीलिसूकलान्यालाकहृषादयादूनीलनिकुहः कुरुनि
कलाक्रानाः पिकानागिनः ॥ नृनकनारीपतिनरसंश्रमसूत्रनमनाहानि
विलासलालसूत्रानिमात्रादयदर्शयं यसोसखीसमकंपूननाहनाधि

१
नाम.

वै. ॥ ५॥ २

काभ ॥ ॥ गीत ॥ नामकनीनागचकाल ॥ चन्दनचञ्चितनीलकलवनपी
तवसनवनमालीकलिलचर्मलिकुलुलमलितगलुयुगस्मितश्ली ॥ हनि
निहसूग्धवधूनि कर्ण विलासिनिविलसतिकलियत्र ॥ १ ॥ पीनजयोध
नलानरुनलहनिंयत्रिनरुसनामः ॥ गयवधून्नृगयगिकाचिददं चि
तयंचमनागं ॥ २ ॥ कापिविलासविलासविलाचनवैलनऊनिगम
नाजं ॥ ॥ अयतिमूग्धवधूनि कर्मधूसूदनवदनसनाजं ॥ ३ ॥

गी० गृह
१

कापिकपालतलमिलितलपितुं किमपि भ्रमि मूलं चान्न च चम्यनि तं
ववतीदयितं वूलकं न नूकलं ॥ ४ ॥ कलिकलाकृदुकेन च काचिद
मृयमृनाजलकलं संकलवंतं रुजगतं विचकर्वकनलद्रुकलं ॥
॥ ४ ॥ कनतलतालतनलवलसावलिकलितकलस्य नवं ॥ नास
नससह नृययनाह निलीयवतिः पुष्पसं ॥ ५ ॥ विष्णुमिकामपि
चम्यनिकामपिकामपिनमयतिनामं चम्यसिसमित् चान्ननाम

नाम.

यनामनगकृतिकामी ॥ १ ॥ श्रीजयदवकवनिदमद्रुतकवकलिनरुहं
वृष्टावनविपिनललितं दिगनातुभुलानियमस्यं ॥ ४ ॥ ॥ विष्णुभा
मनूनंजननजनयन्नानन्दमिन्दोवनं विष्णुमलकामलेनूयनयनं लो
ननेल्लसवं ॥ स्वकृदं वज्रमूदनी ॥ निरिगः पुष्पंगमालिगितः भृंगमनस
विमूमानिवमल्लोमूदहतिः कीर्जति ॥ नासीत्तासरुनेलविश्रमहतामा
हीनवामद्रुवामल्लोयनिनस्यनिरुनमूनः प्रमाधया नाधया ॥ साधुत्व

गी. ०. २. ॥
संचन ॥ ७ ॥ २

कदनं सुधामयमिति व्याहृत्य गीतमुक्तिव्याजालिङ्गितं च विनः स्मितमना ह
नो हृदि पातु वः ॥ ॐ गीतं गीतं विदुः साभा ददाभा दत्रा नाम पृथः
मः सन्तः ॥ १ ॥ विह न गितं न नाभाः साधनं लपुलाय ह नो विगलितं निज
कृष्णदीर्घा वलन गगनान्तः । क्वचिदपिलगा कृं ऊ गुं ऊ न ध्रुव न मं उलीः
मूख न भिन्नली नादी नाप्प वाच न ह स्मरवी भू ॥ ॥ गीत ॥ गुरुली नाः
रग रूप क तात् ॥ ॥ संचन दधन सुधामधून धनि मूख नित माहन वं भू

८
नाम.

वलिगृगंचलचंचलभीलिकपालविलासवतंभं ॥ नास न सह निमिह वि
हित विलासं ॥ स्म न गितं नाम मम ह न यति हासं ॥ १ ॥ चतुर्क चात्र मयू न मिः
खलुक मलुल वलयिग कं ॥ प्रचून पुन च न धन न नू ने कि न मद्र न मूदि न
सू वंभं ॥ २ ॥ लय कदं व निमं व वती मूख चूच न लं विग लाहं ॥ वंधू जी व
मधू नाध न यल व मल्ल सि न सि न गं ॥ ३ ॥ विपूल पुलक जुं मलु वलयि
न वल्ल वयू व गि सह सं क न च न ल न सि मलि ग ल लु म ल कि न ल विहि न न

न २

गी ० ८ ५
२

मिसुं ॥ ४ ॥ ऊलदपटलवलदिन्दुविनिन्दकचन्दनिलकललाटं ॥ पीन
पथाधनयत्रिसुत्रमर्दननिर्दयहृदयकपाटं ॥ ५ ॥ मलिमयमकनमनाहन
कंठलमंडितगंठमूदात्रं पीतवसनमन्त्रगगनमन्त्रजसूत्रवनयत्रिवानं
॥ ६ ॥ विषदकदं वगलमिलितं कलिकल्लयं यमयं तं ॥ मामपि किमपि
नत्रंगदनेगदममनसानमयं तं ॥ ७ ॥ श्रीजयदेवरुलितमतिमूचनम
हनमधूत्रिपूत्रयं ॥ रुत्रिचनलसमनलंप्रतिसंप्रतिपूष्ववतामन्त्रयं ॥ ८ ॥

२
गाम.

मिहगति ॥ ७ ॥

गलयतिगुलममंजामंजुमादपिनहनवरुतिचयत्रिगायंदायं विमंचतिइतनः
यूवतिष्वलरुषूषू विहानिगिमांविनापूत्रनयिमनावासेकासेकनातिक
नामिकिं ॥ गीत ॥ मालवनामचोकाल ॥ ॥ निहकनिकंजगहंगनयाः
निमिनहसिनिलीयवसनं चकिगविलाकिमकलदिभानतिनरसनसन
हसंगं ॥ सविहकमिभयनमूदात्रं नमयमयासहमदनमनात्रथलाविक
यासविकानं ॥ ९ ॥ प्रथमसमागमसङ्गिगयाप्रदुचाटुभनेननूकलं मृ

ॐ

गी. ०. ६५
१०

दूमधूनसिगलपिगयाभिधिलीकनऊघनदूहलं॥ २ ॥ किअलसयअयननिव
 भिगयाचिनमूनसिममेवअयानं, कनयनिनेहनचुवनयायनित्रत्यदुताधन
 पानं॥ ३ ॥ अलसनिमीलितलाचनयापूलकावलिललितकपालं, अमऊ
 लसिककलवनयावनमदनमदादतिलाहं॥ ४ ॥ कीकिलकलनवकूजिनयां ऊ
 तमनसिऊतंयुविघानं, अथकूसमाकूलकूलयानवलिविगघनसु
 नहानं॥ ५ ॥ चनलनलितमलिनूपूनयायनिपूनिनसूनगविगानं, मूव गाम.

०

ॐ

नविभंखलमखलयासकचग्रहचुवनदानं॥ ६ ॥ नगिसुखसमयनसाल
 सयादलमूकलितनयनसनाऊं, निःसहनियगितनूलगयामधूसूदनम
 दितमनाऊं॥ ७ ॥ श्रीऊयदवहलितमिदमगिअमधूनिपूनिधुवनभीले
 सुखमूललितअमधवधूकथिगंविगनाऊसलीलं॥ ८ ॥ ॥ हसुअसुवि
 लासुवेअमधूअधूवल्लिमदुलवीदयसाहृगंगवीक्षितमतिःस्यदाहुगलु
 लुलं॥ मामूदीधुविलंविगसिगसूधामूधननंकानन, अमविचुंवजसूदनीम

षा१

गी० एम
१५

लवंगं यम्भामिहैमिच ॥ इनालाकलाकसुवकनवकाः भक्तलिका विक्रमः का
सात्रापवनपवनापिव्यथयति ॥ नृपिशाम्यहंगीतलितमलीयानमृकलप्रसू
मिभूतानां सविमिखत्रिलियं सुखयति ॥ सावृत्तसिगमावृत्तावृत्तगलछमिल
मृत्तासिगमृवल्लीकमलीकदमिगुजामृत्ताहृहसुकुनं ॥ गमपीनां निहंगनि
नीकदयितोकां विचित्रं चिकयन्नंगमृगमनाहाराहगुवः क्लृप्तं नवः क
भवः ॥ ॥ गी० गी० गी० विन्दन्ना क्लृप्तं क्लृप्तं नामदिगीयः सर्गः ॥ २ ॥

११

गाम.

१ मा मि यं यति ॥ १ ॥ २

कंसानि नपि संसानवासनावडुष्टहृत्ताम् ॥ नाभमाभयददयत्तुआऊवुजसूच
नी ॥ ॥ नृकसुगला मनुसुयनाभिका मनेंगवालवलीखिन्नमानसः ॥ कृतानृगाप
ः सकलिन्यनदिनीगतांगवं ॥ ॥ निवसादमभवः ॥ ॥ गी० ॥ गुरुनीनागज
गिताल ॥ ॥ मामिसंचलितविलाकवृगंवदुनिचयेन सायनाधनयामया
पिनवात्रितागिरुयन ॥ हनिहनिहमादनगयागतासाकपिगव ॥ १ ॥ किं
कत्रिष्यमि किं वदिष्यमि साचित्रं चिनहल ॥ किं जननधनन किं मम जीवितन

गो. १२

१२

सूखेन ॥ २ ॥ चिंतयामि नयाननं कृत्स्नं युकाय तत्र ल... लपयामि वायत्रिः
 मगा कलंगुमत्र ल ॥ ३ ॥ मामहं हृदिसंगताम निभं रंभं मयामि किं वने नू
 सनामि तामिह किं वृक्षविलजामि ॥ ४ ॥ गच्छित्विन्नमस्य याहदसंगवाक
 लयामि नन्नवमिदूतागतासि ननन नूनयामि ॥ ५ ॥ दृष्ट्वा न पूनगागताः
 गतमवमं विदधामि किंपूनवससं प्रमेयत्रिं हनं नददामि ॥ ६ ॥ क्षम्यता
 मयत्राधकदापि गवदृभं न कत्रामि दहि सुचरिदधं नमन्येन नूनामिः

१२

नाम.

॥ ७ ॥ वर्त्तिगंजयदवकं नहत्रिदं प्रदीपनं किन्नुविलससमूहसंलवना
 हिलीत्रमलन ॥ ८ ॥ ॥ हृदिविषलताहाना नायं जुं गमनायकः द्रव
 लयदल... लीक... नसागतलघूनिः ॥ मलजयत्रां नदं हस्यप्रियात्रः
 हितमयि प्रहृत्नहनत्रां नानं गकुक्षकिमुक्षवसि ॥ या... मावूत्रूत्रूत्रूत्रू
 यकममं माचायमात्राययकी अनिर्किं विष्वसृष्टिं नजनाद्यानं किंपोत्र
 वं ॥ तस्या प्रवमृती ह... मनसि जयप्रवल्कदाकाशुग... लीजर्जुनिनं मना

गम.

2.0

गी ० एम

१४

विनयि ॥ २ ॥

गीत ॥ काळीट नाग चकाल ॥ ॥ निन्दित चन्दन मिन्दु किन लमन विन्दु गिखद मधी
नेका लिनि मय मिसम नग नल मि व क ल य मि म ल य समीने ॥ सा वि न ह न व दी ना
मा ध व मन सि ऊ वि मि र व रु या दि व रा व न या ल यी ती ना ॥ १ ॥ अ वि न ल नि य ति
त म द न भ ना दि व रु व द व ना य वि भ ल स्व ह द य म र्म लि व र्म क रा ति म ऊ ल
न लि नी द ल जाल ॥ २ ॥ कू सु म वि मि र व रु ग ल य दि ला स क ला क म नी यं व र
मि व रु व य ति नं रु भु वा य क रा ति कू सु म भ य नी यं ॥ ३ ॥ व रु गि वि ला ल वि

१४

गाम.

ला च न ऊ ल ध न मा न न क म ल मू द नं वि धू मि व वि क र वि धू रु द दं न द ल न ग लिः
ता मृ ग धा नं ॥ ४ ॥ वि सि र व ति न ह मि कू नं ग म द न रु वं न म स म भ न रु गं उ
ल म मि म क न म धा वि नि धा य क न ल भ न न व च नं ॥ ५ ॥ प्र मि य द मि द म पि
नि ग द ति मा ध व रु व च न ल य मि ग हं त्व रि वि भू र्व म रि स द दि सू ध नि धि न पि
न नू न न नू दा हं ॥ ६ ॥ धा न ल य न पु नः य ति क ल्प रु वं न म नी व दू ना यं
वि ल य ति ह स ति वि षी द ति रा दि ति मू च ति चं च ति ना यं ॥ ७ ॥ श्री ज य द

गी ० २५

१५०
मृगयति ॥ २ ॥ १

वरुलिनमिदमधिकं यद्विभनसानटनीयं. हनिविनहाकलवल्लवयूवमिसुखीव
वनं य० नीयं ॥ ८ ॥ ॥ न्नावासाविधिनायगपियसखीमालापिजालायमं नाया
पिम्भसिगनदावदहनकालाकनालायन ॥ सापित्वद्विनहलहंतहनिनीनूयाय
महाकर्षं, कन्दर्पापियमायन विनचयनम्भद्विनीविक्कीठिनं ॥ ॥ गीतदम्भ
खत्रागप्रकमालीगाल ॥ ॥ सुनविनिहितमयिहानमृदानं. सामनूककम्भ
मनूनमिसानं ॥ नाधिकाविनहतवकम्भव ॥ १ ॥ सत्रसमृत्तमयिमलयज

१८

गाम.

न ३

पंकं यम्भमिविषमित्रवयूविसम्भं ॥ २ ॥ भ्वसिगयवनमनूयमयनिलहं. मद
नदहनमिववहमिसदाहं ॥ ३ ॥ दिमिदिमिकिनमिसकुलकलजालं. नयनन
लिनमिवविगलिनं नालं ॥ ४ ॥ यजनिनयालितलनकपालं. वालभमिनमिव
सायमलालं ॥ ५ ॥ नयनविषयमपिकिभलथमल्यं. कलयमिविहितकृताः
भनकल्यं ॥ ६ ॥ हनित्रिनिहनित्रिनिजयमिसकामं. विनहविहितमनल्लव
निकामं ॥ ७ ॥ श्रीजयदवरुलिनमितिगीमं. सुखयजुकम्भवयदमृयनीनं ॥

गी० अ
४३

सात्राभां च तिसी लुगति विलयसूक्तम्यतगायति ध्यायत्युमति प्रसीत निघतसू
 कानि मूर्च्छत्यति ॥ नृगादृग्भनूकुर्विन्न किं न सान्स्वर्वे यप्रतिमप्रसीदसि यदि
 त्यका न्यथा नांतकः ॥ स्मना तु नां देवत वेद्य ह्यत्यदंग संगम मृगमा उसाध्यां विमूकवा
 धं कृत्रुषमत्राधामूयतु वक्रादपि दातृ लभसि ॥ कचर्यं कृत्रु संकना तु न नाना न्य
 र्यमस्या भिनं च न न्य न च न्यमः कमलिनी चिन्ता सू सं त्राम्यति किं उक्तां निव
 लभनभीतलतनं त्यामवमकपियं ध्यायंती न ह सिद्धि ना कथमपि दी लभ कलं प्रा
 लिनि ॥ कलमपि विव्रहः पूनान सह नयन निमीलित त्विन्न या य या नं न्यसि

१७

नाम.

निकथमसोत्र सा लभ्यावां चित्रवित्रह नैविला कप्रयिता गभ ॥ वृश्चि व्या कल लभ क
 लावल च भद्र श्री लभ वद्वल विप्रदत्त ववल राहित विकाल द्य चित्रं नृम्यति
 दय्ये लेव न दयि ना धत नि सिंदूर मूद्रां किं ना वा कृ लभ यत ना रुनां निरुवगां रध
 यां सिं कं ध द्विषः ॥ ॐ गिष्ठी गी म लभ विद्वं ह्नि ग्ध मधू सुद ना नाम च दु र्धः स
 र्गः ॥ नृह मिह निवसा मिया हि ना धम नृ नय मद्ध च न न या न यथा ॥ ॐ
 निमधू त्रिपू लभ सखी निपू का खय निद मय प्र न र्ग म द ना धम ॥ ॥ गीत व

गी० एम
१२ वरुणि ॥ १० ॥ २

गालीनागरुयकतास ॥ ॥ वहनिमलयसेमीप्रमदनभूयनिधायस्फुटिकसू
मनिकनविनहिदयदलनाय ॥ नवविनहवनमालीसविसीदनि ॥ १ ॥ दहनि
मिभिनमयूवेमनलमनूकनाति यतनिमदनविभिरविलयनिविकलनना
नि ॥ २ ॥ धमनिमभूयसमूहधवलमपिदधमि मनसिबलिनविनहनिमि
नूजमूययागि ॥ ३ ॥ वसनिविधिनिविगानन्यजमिललिनधाम लुठनिध
नलिभयनवक्रविलयनिगवनाम ॥ ४ ॥ रुलनिकविजयदवविनहिवि

११

मास.

१२ वरुणि ॥ १० ॥ २

लसिगन मनसिनरुसविहवहनिनूदयउसूकनन ॥ ४ ॥ ॥ पूर्वयउस
मंचयात्रनियननासादिनाः सिद्धयः सुस्मिन्नवनिद्वंजमनथमहागीर्धपुन
मोभवः धार्यस्वामनिभंऊपनपितवेवालायमंयासनंरुयस्वत्तुचवैरुनिहनिः
पत्रीनंरामनंवांछुनि ॥ ॥ गीतगुंतीनागप्रकगालीगाल ॥ ॥ नमिसूव
सात्रगनमरिसात्रमदनमनाहनवभं नक्रुनिगंविनिगमनविलंवनमनू
सनमंदयभं ॥ धात्रसमीप्रयमूनामीप्रवसनिवनवनमाली ॥ १ ॥ ना

ऊ३

गी०३५
१८

मसमगंठनसंकंठं वादय नमृदुवत्वं वरुमनूतननूतननूतनसंगनघवनचलित
मपिनलं ॥ २ ॥ यननियतपुविचनितयपुभंकिनरवदूययानं नचयतिभय
नंसचकिननयनंयभनितवयंल्लानं ॥ ३ ॥ मूखनमभीनंल्यजंमंजीनंनिघुः
मिवकलिसूलांलं चनसविद्वंजंसनिसिलपुंजंभीलयनीलनिचालं ॥ ४ ॥
उतसिमूनात्रयहिगहात्रयनं वरुनलवलाकं नडिदिवयीनंननिविपरी
ननाजसिमृदुनविपाकं ॥ ५ ॥ विगलितवसनंयनिद्वननसनंघटयजघनम

१८

गाम.

पिधानं, किमलयभयनयंजनयननिधिमिवहर्षनिधानं ॥ ६ ॥ हनिनरिमाः
नीनऊनिनिदानीमियमपियातिविनामं कुरुममवचनंस्त्वननचनंघुनयम
धूनिपूकामं ॥ ७ ॥ श्रीजयदेवहृगहनिसुवर्गलमिधनमनमलीयं प्रमूदि
नद्वयंहनिमनिसदयंनममृदुगकमनीयं ॥ ८ ॥ ॥ विकिनमिम्
कः ॥ साणांमंप्रामृदुनीकनप्रविभनिसूकः कृजंयुंजंमृदुवृकामयति ॥ नचयति
मृदुःभय्यांययांकलंमृदुनीकनमदनकदनक्रांगः कांनपियरुववर्कमं ॥ ९ ॥

गी० एत

१२

त्वदाध्यात्मसमसमयमधूनाभिभांभुनसंगगात्मविन्दस्यमनात्रधनवसमंप्राप्तं
तमः साधुनां॥ काकानां कनूलस्वननसदृशीदीर्घासदयार्थनामन्मूलविरुलं विलं
वनादन्नरखाल्लोखादन्नस्यांगजप्रादाधदन्नमात्रेणोदन्नपीमयोः॥ नूनान्यग
मयार्जुमात्तिलिगयाः संरायलेकीनगार्दययात्रिहकानकाननममिडीजवि
मिअत्रसः॥ सरुयचकिंविन्दस्यकीदृमंगीमिलयधिप्रतिनन्रमूकः स्त्रियाम
चंद्रयदानिविगननीभू॥ कथमपित्रहः प्राफामंलेत्रनंगननंगिरिः सुमृत्विसूरु

नाम.

नः सत्वायधनूर्यनिरुगार्थगां॥ नाधमृधमूरवानविन्दमधूयसेलाकमीलिरु
लीनेयध्वविगनीलनलमवनीरुनावगनदमः॥ स्वकृदं वुजसूचनीजनमनी
आषप्रदाषमित्रं कंसधंसनधूनकडनवकुत्वांदवकीनदनः॥ ॥ वृत्तिः
भीगीनगाविन्दन्नरिसानिकावर्लूनानामयंचमः सर्मः॥ ५ ॥ ॥ जधनागं दु
मभकांचित्रमन्नकांलगागृहृष्टा॥ नचत्रिगं गाविन्दमनसिजमन्सखीप्राह॥
गीनगुजनीनागनूयकनाले॥ ॥ पधमिदिमिदिमित्रहसिरुवंतं नदधन

रायमति ॥ १२ ॥

गी० एम
२०

मधुनमधुनिपिवंतं ॥ माधुनसीदं नो भवा सगृह ॥ १ ॥ स्वदरिसुत्रलनरुः
सनवलंगी यननिघदानिकियं निचलंगी ॥ २ ॥ विहिनविभदविभकिभले
यवलया जीवनिघनमिह नवननिकलया ॥ ३ ॥ मुद्रनवलाकिममलुनली
ला मधुनिघुनहमिनिहावनशीला ॥ ४ ॥ स्वनिमम्येनिनकथमरिसानं रु
त्रिनिविददिसखीमनूवानं ॥ ५ ॥ शिष्यनिचुचमिऊलधनकयं हनिपूय
गनं मिमिमित्रमनइत्यं ॥ ६ ॥ रुवनिविलं विनिविगलिगलेऊ विल

२०

मा म.

पतिनादमिवासकसुजा ॥ १ ॥ श्रीऊयदवकवनिदमृदिनं नसिकऊनं ननूगमः
मिमृदिनं ॥ २ ॥ ॥ विपूलपूलकयालिः स्त्रीगमी कानमंगऊ निगऊमिकावू
व्याहलुवाहनेगी ॥ नवकीतविकेधहुमंदकचर्यचिनां सनजलधिमिममभान
लममममदी ॥ जंगवाहनलंकनामिवरुभः पउपिसंचानिलिपाफं लां यनिभंक
नवितनूनभयां चित्रं भयनि ॥ ३ ॥ व्याकल्पविकल्पनचनसंकल्पलीला
भनवासुकापिविनालयावननूनैषानिभं नयनि ॥ किं विश्रम्यसिद्धपूरा

५

गी० ७५
२२

यामिवलयादिसलिरुधनं हनिदिन हदहन वहन नवदुहषलां ॥ ५ ॥ वसुमसुव
भालगनुगन नूगनलीलयाः सनपिहृदिहंमिभामनेविममलीलया ॥ ६ ॥ अहनि
हनिवसामितगमिहवनयनसाः सनमिहवसुदनामामधिनचनसा ॥ ७ ॥
हनिवसलमननननदवद विरानगी वसुदुदियुवमिनिवसामलकला
वगी ॥ ८ ॥ ॥ गलिंकासपिकामिनी ॥ हिसुनः किंवाकलां हलिर्विद्व
वंधुरिनंधकानिदिवनसंकेन ह्यायनिकांगः ॥ ९ ॥ ममनमलागपिय

२२

नामः

०

५

सप्तमः ॥ ७५ ॥

थिप्रकाहमवाकमः सै रतीहममंरुधनललमादुं विरं नागा ॥ १ ॥ नूधम
नामाधवमेननलसुखीमियंदीयविधादनेवं ॥ विमकमाना नागनं अया
थिऊनार्दनंदुहवदगदाह ॥ ॥ गीमवसुमनापचुलकालीनाल ॥ ॥
सनसमनाचिकवित्रविमनभागलिनदभूमननविललिनकभाकापिम
अनिपूलाविलसतियुवमिनिधिकुल्य ॥ २ ॥ हनिमनिनहनदलिनविका
नाकचकलभापनिमनलमहागा ॥ ३ ॥ विचलदलकललिनाननदुध

गी. २३

गदधनपात्ररुसकनगन्धु ॥ ४ ॥ चंचलवृत्तललितकयाला. मूखनिगत्र
सनजघनगगिलाला ॥ ५ ॥ दयितविलाकिमलजिगहसिगा. वृद्धविधवृजिग
नगित्रसनसिगा ॥ ६ ॥ विपुलपुलकपथुवपथुरुंगम. स्वसिगनिमीलितवि
कठदनेंगम ॥ ७ ॥ भूमजलकलरुत्रसूरुगभनीना. यत्रियमिगात्रसित्रमिग
लधीना ॥ ८ ॥ श्रीजयदवृत्तलिमहत्रिगमिगं. कलिकलुषंजनयदुयत्रिग
मिगं ॥ ९ ॥ ॥ विग्रहपात्रमूत्रात्रिमूत्रांशुज घृतिनयंमित्रयन्नपिचमनं

२३

गाम

समयित ॥ १७ ॥

विधूनगीवकभातिमनाशुव. सूरुदयदुदयमदनव्यथां ॥ ॥ गीतयुज्जी
नामनुकमलीमाल ॥ ॥ समुदितमदनममलीवदनचुवनत्रलिकाधन. वि
लितमिमिलकंषविनसदलकंमृगमिवनऊनीकर ॥ ॥ नमनयमूनाधुलिनेव
न. विजयीमूनात्रिधूना ॥ १ ॥ घनचयत्रुचित्रचयमिचिदूत्रकत्रलिकन
त्रुलानन. कूत्रनेककूरुसुमंचयलासुसुमंनगिधमिगकानन ॥ २ ॥ घटय
मिसूधनकूचयुगगमनमृगमदनचित्रुषिग. मलिनसममलंगानकयदल

गी. एम
२४

नवयदभभिरुषित ॥ ३ ॥ किमविभसकलमृदुराजयुगलकननलनलिनी
दलः मत्रकटवलयंमधुकननिचयंविननकिहिमभीगलं ॥ ४ ॥ नकिमृहंज
घनविपुलायघनमनसिजकनकासनः मलिनसत्रसनंकात्रलहसनंविः
किनकिहगवासनं ॥ ५ ॥ चनलीकिमेलयकमलानिलयनखमलिगलपू
किमः वहिनयवनलंयात्रिकरुनलंजनयनिदियाकिम ॥ ६ ॥ नमयति
सदृभंकासपिसूदभंखलूहलधनसादनः किमरुलमवसंचित्रमिहविनसं

२४

गाम.

६२

अनिनलन ॥ १४ ॥

वदसुविविटपादनं ॥ १ ॥ ॐ हनसुलनकनहनिगुलनमधूनिपूयदसुवकं
कलियुगयनिनंनवसुदुनिमंकिविनृयऊयदवकं ॥ २ ॥ ॥ नायागसुवि
निर्दयायदिम०स्त्वंदुकिर्किद्वयसुखकंदंवरुवल्लरुसुनमनकिंनरुदुषलं
यमभयप्रियसंगमायदयितसाहस्यमालंभुलेनूत्कंठार्किरुगादिवसूटमि
दंवनःस्वयंयास्यति ॥ ॥ गीतदभभवनागप्रकमालीगलं ॥ ॥ अनिल
नवलकवलनयननः यननिनस्यकिमलयभयनंन ॥ सुवियानमिगाव

गी. एम
२५

नमालिना ॥ १ ॥ विकसितसुतसिजललिङ्गमुखनः स्फुरन्ति सामनसिजवि
मिखन ॥ २ ॥ नृमृगमधुनननभृद्वचननः कलनिनसामसुतजनचनेनः
॥ ३ ॥ कलजलत्रहन्विकमचनलनः लुगनिनसाहिमकनकिनलीन ॥ ४ ॥
सकलजलदसमृदयत्रुचिन्तलः दलनिनसाहृदिचित्रवित्रहली ॥ ५ ॥ कनक
निचयत्रुचिच्छिवसनेनः स्थितिनिनसायत्रिजनहसनेन ॥ ६ ॥ सकलशुवः
नजवत्रनलनः वहनिनसात्रुजमनिकत्रुलन ॥ ७ ॥ श्रीजयदेवरुलिनव
नै

२५

गाम.

चननः प्रविभउहनित्रपिहृदयमनन ॥ ८ ॥ ॥ मनीरुगानन्दनचन्दना
निलप्रसीदयददिलर्मचवामना ॥ कलंजगत्यालनिभयमाधवंपूनाममप्रा
लहनाहविषयि ॥ त्रिष्टुत्रिवसुवीसंवासायंमित्रीवहिमानिलाविषमिवसूक्ष्म
नमिष्यस्मिन्नुनामिमनागन ॥ हृदयमदयनस्मिन्नेवंपूनर्वलनवलानुक्तः
वलनयदृष्टावामः कामानिकामनिनंक्रमः ॥ वाध्वंविधहिमन्यानिलयंत्रः
वाधवाल्निगृहालनगृहंपूननाधुयिष्य ॥ किंकृतांगरुमिभिसमयानयंमे

15

गी. १८५
२७

प्रगभनिहिंमममममम दुदहदाहः॥ प्रागनीलनिजागमचुगमूनसंवीगयीतां
सूकंताधायाम्किमंविताकहसनीवेनंस्खीमन्धनप्रजिनेचलमंचलंन
यनयाताधायताधायननस्मनस्मनमूखायममुगगदानन्दायनन्दात्मकः॥
ॐतिष्ठीमीनगमविन्दविषुलडावर्पुनेनागनचतुनगनानायाः॥ नाम
:सफमःसर्ग॥ ॥ १ ॥ अथकथमपियामिनींविनीयस्मनमनजुर्कुनि
नापिसाप्रराग॥ अन्ननयविनयंवदंनमगुपलनमयिपियमाहसात्यसुयं:

२७

नाम.

10

5

प्रजनिज ॥ ११ ॥ १

॥ ॥ गीत ॥ नवरागजुगिताल ॥ ॥ प्रजनिजुनिगुनुजागननागकवा
यितमलसनिमधः वहनिनयनमनूनागमिवसूटसूदिननसारिनिवर्णी ॥
हनिहनिग्याहिमाधवयाहिकभवमावदकेनववादेनामनूसनसनसीरुहला
वनयागवहनगिविषादं ॥ १ ॥ ककुलमलिनविलाचनचुंवन्नविनचिन
नीलिमनूयं दधनवसनमनूलीनवदधुगनागिननागनूयं ॥ २ ॥ वपून
नूवहनिनवस्मनसंगनखनखनखनलखीमनकटभकनकलिनकलः

20

गी. २०
२०

लीनलियालिवत्रनिऊयलरवी ॥ ३ ॥ चतलकमलगलदलकसिकमिदंनवह
दयमूदानं. दर्भयगीववहिर्मदनमनवकिभलयघनिवानं ॥ ४ ॥ दभनय
दंरुयदधत्रगगंममऊनयसिचनसिखदं. कथयनिकथमधुनापिमयासहन
ववपूत्रनदरुदं ॥ ५ ॥ वहिनिवमलिननगंनववधूमनापिरुविषानिनी.
कथमथर्वयसऊनमनूगनमसमसत्रऊनहून ॥ ६ ॥ प्रमनिरुवानवला
कवलायवनपूकिमएविचिपुं. प्रथयनियूननिकेववधूवधनिर्दयवालचनि

२०

नाम.

कुं ॥ ७ ॥ श्रीऊयदवरुलिनननिर्विचिनखलुगयूवनिविलायं. ॥ ८ ॥ लूगसूभ
मधुनंविबूभविबूभलयनापिदूनायं ॥ ९ ॥ ॥ नवदंयभ्याः प्रसन्नदनुना
गंवहिनिवप्रियापादालककुनिगमनूलानिदुदयं. मयायपरवानपुलंयलनरु
गनकिनवचदालोकः ॥ १० ॥ कादयिकिमयिलकुंऊनयनि ॥ ११ ॥ गम्भाहनमोलिधू
लूनचलननानविस्वंसनसुवाकर्षलदृष्टिहर्षलमहामंयः कंनगीदभं. दृष्य
दानवदूयमानदिविषद्वीनदूःखायदांयंभः कंसनिधायिदाहयउवः ॥ १२ ॥

गी० एम

रुनि नति ॥ १८ ॥ १२

सिवंभीधनः ॥ ॥ ॥ निष्ठीजयदवदुनीगीनगमविचस्वलितावर्तूनविनक
लक्ष्मीपनिर्नामाष्टमःसर्गः ॥ ॥ ८ ॥ नामधममधसिन्नोयतिनसरिनाविः
षादसम्यन्त्रां ॥ ॥ ॥ नृविंतिगहत्रिचनिगंमवायनहःसर्वा ॥ ॥ गीनगुङ्गातीनाग
नृपकमाल ॥ ॥ हनिनृहिसुनगिवहतिमधूयवनः किमयनमधिकसूखंसखि
रुवन ॥ ॥ माधवमाकनूमानिनिमानमय ॥ १ ॥ मालरुलादपिगुनूमगिसनसंः
किविदुलीकनूधकचकलभी ॥ २ ॥ कनिनकथिनमिदमनूयदमविः मायत्रिहनह

२८

नाम.

रिसिनिधयनृचित्रं ॥ ३ ॥ किमिति विषीदसिनादिषिविबलाः विहसगियवगिस
रागवसकला ॥ ४ ॥ सजलनलिनीदलभीलिगधयनः हनिमवलाकयसरुल
यनयन ॥ ५ ॥ जनयसिमनसिकिमितिगुनूयदः ॥ ६ ॥ ममवचनमनीहितरुदः
॥ ७ ॥ हनिनृययादुवदउवक्रमधूनः किमिनिकनाषिददयमनिविधूनं ॥ ८ ॥
धीजयदवरुलिगमगिललिंगः सूखयउलभिकजनंहनिचनिर्ग ॥ ९ ॥ ॥
स्तिग्धयपूत्र्यासियत्यलेमगिक्कासियद्रागिलिध्वस्त्यासियदुन्मूर्खविमूर्ख

गी० एम

२२

गांयातासितसिंधिय ॥ यूकं न द्विषतीतकात्रिलिगवध्याखलुचर्चविषंभीगांभुक्त
यभाहिमंरुतवहः कीजमृदायातनाः ॥ सान्धानन्दपूतन्यनादिदिविषद्वेनमद्या
दनादानमैर्मृकुट्टुनीलमलिरिः संदभिनिदीवर्तः स्वकन्दमकनन्दसूदन
गलन्मंदाकिनीमदूर्ध्वात्मविचस्येयदानविन्दमभुरुक्तचायवृन्नामह ॥ ॥
०० तिथीजयदवकगीगीतगाविन्दकलहांतनिगावर्लनमन्दमृकुट्टोनामन
वससर्गः ॥ ॥ ॥ श्रीगिवस्तुर्गाहतिः क्ववलयपीउनसाईप्रलनाध
चीनयथाधनस्मवलककुंरुनसैरदवान् ॥ यत्रवित्तमिमीलनिकलमथकिफ

२२

नाम.

वदसिजदि ॥ १२ ॥

द्विषतस्तु ॥ लं सस्यालमस्तु किं न जिनमिति व्याभाहका लाहलः ॥ अणं न तमस्तु ल
नाववभा मसीमनिः ॥ व्यासनिः सहस्रवीं सुस्रवी मयस्यः सवी उमीहिनस्रवीवद
नादिनां न सानन्दगस्तदपदं ह त्रिस्त्रिगुणः ॥ ॥ मीनदभवनाडीनालग्न
थमालीमल ॥ ॥ वदसिद्यदिकिंचिदपिदं न चिकीमूवीहनुदत्रमिमित्रम
निद्यात्रं सुनदधनसीधवनववदनचनुमानावयउलावनचकात्रं ॥ प्रियगा
रूमीलमृंचमयिमानमनिदानं स्यदिमदनानलादहानिममानसंदहिमूख

गी. एम

३०

कमलमधूयानं ॥ १ ॥ सख्यमवाप्तियदिसूदतिमयिकापिनीदहिरवत्रनखत्र
अत्रघातं घटययूजवंधनंजनघटनेखलुनंयनवारुवमिस्त्रवजानं ॥ २ ॥
त्वमसिममजीवनंत्वमसिममरुषनंत्वमसिममरुवजलधित्तं रुवतुरुव
मीहमयिसननमनूनाधिनीनपममहदयमगियत्तं ॥ ३ ॥ नीलनलिनारुमयिः
नन्विगवलावनंअनयनिकाकनंदनूयं कसुमअनवालावनयदिनैजय
सिद्धमिदमनंदनूयं ॥ ४ ॥ सुनतुकुचकुंरुयानूयनिमलिमंजुनीनंजय

३०

ग म.

रुतवहदयदंशं तसुतुतसुनापितवचनजघनमलुलंघाययतुमन्मथनिद
शं ॥ ५ ॥ सुलकमलगंजनंमनहदयनंजनंजनिनत्रनिनंगयनरुगं घन
मसुलवालिकनवालिपदयंकजंसनसलसदलेककनागं ॥ ६ ॥ सनगनल
खलुनंममभितसिमलुनंदहियदयल्लवमूदानं कलमिमयिदात्रुष्ममदनूकद
नानलाहनतुनदूयाहिनविकानं ॥ ७ ॥ रूगिचरुनचाट्टपट्टात्रुमनवेति
ष्मनाधिकामधिवचनजानं जयनिपद्मावगीनमलजयदवकविलानमि

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥ ॥ यत्रिह न कृण्वन् कर्मकां लयास्तनं घनं न कृण्वन् उघन
 याकां न स्यान् न घनानवकां भिनी विष्मतिविग्नानां नो धन्यानां कायि ममाने नं पलधि
 नियत्री नं रानं रुविध्वहि विध्वयतां ॥ ॥ भिस्मृतिवत्ततिरुं गुनसूर्यवजनमाहक
 गालकालसर्पी नद्रुदिनरुय रंजनाययनां स्वदधनसीधूसुधेवसिद्धमंगः ॥
 वंधूकयुतिवांधवायमधनः स्निग्धमधूकयुतिमं उचं उच कास्मिनील नलिनश्री
 भावनं लावनं नास्त्यमिति लपसूनयदवीं वृन्दा रुदंति पिथययत्तं नृखसे

३१

नाम.

वयाविजयन विष्मं सूर्ययुधः ॥ ॥ वृष्णेन वमदां न सवदनमिचुमसूकलंगति
 ऊनमनां नमाविधूतनं रुमूद्रदयं ॥ ॥ तस्मिन् वकलावगीतृचित्रविशुलखयुयन
 दाविधूधयो वनं वहसि कचिपृथीगता ॥ ॥ मूर्धविध्वहि मयि निर्दयदं नदं क्षदा
 वल्लिवंधनि विउसूनपीडनानि ॥ ॥ वल्लित्वमवमूदमंचनयंच बालचालुल
 कालुलसादसनः प्रयोः ॥ ॥ व्यथयति वृथा मोनेन कचिपृथं चययंचमं नरुलि
 मधूनालाये सायं विनादयदृष्टिः ॥ ॥ मूर्धविध्वि मूर्धिल वं गावविमूचन वंच

गी. एम
३३

अनिलननलकिअलयनिकनलकननलनानिकननं. पुनलमिवकनलनूक
नातिगतिप्रतिमंचविलंवं ॥ ४ ॥ सुनिमनंगननंगनयादिवसुचिगहनि
धविनंरं. पुकमनाहवहात्रविमलजलधनममंरंरं ॥ ५ ॥ अधिगन
मविलसखीरिप्रिदंनववपुनपिनगिनलसऊं. चलिप्रसिननसनाधनडिलि
ममलिअनसनसमलऊं ॥ ६ ॥ समनननरुगनननसखीमवलंयकन
सलीलं. चलवललयकलितेयववाधयहनिमपिनिऊगमिभीलं ॥ ७ ॥ श्रीऊय

३३

गाम.

दवरुलिनमधनीरुगहाननुदासिननामं. हनिविनिहिनमनसामधितिठु
कठुट्टीमविनामं ॥ ८ ॥ सामाप्रद्वनितसुनिमनकेधंयुगमालिगं
लेः प्रीतिंयास्यनितस्यनसविसमागयनिसंचिंतयनू. सत्यांयधमिवयनपुल
कययानन. निस्त्रियनिप्रयुंगकनिमूर्कनिसिन्ननमः पूजनिद्रंऊप्रियः ॥ ९ ॥
निद्रिपदंऊनंशुवलयोमाविद्रुगुकावलिमूर्द्धिभामसनाऊयमकचयाः कसूत्रिका
ययकं. पूर्योनामरिसात्रसत्तंरुदाविधेयकुनिद्रंऊसविधमंनीलनिचांलेना

श्री. एम

३४ संज्ञा नमः ॥ २५ ॥

सुसुखं प्रसंगमालिङ्गति ॥ काशी तल्लेन वपुषामलि सानिकाना मावद्वयं ख
मरिका वृषिभंजनीतिः ॥ पुनश्च मालदलनीलनमं गुमिभुं नत्पुमहमनिकधा
पलनां ननाति ॥ हानावलीन तलकां च नकां विदाममं जीनकं कलमलिय
निदीपितस्य ॥ कोनिकं जनि लयस्य हतिं निरीक्षणी वामी मधसखीः
मियमिषु वाचः ॥ ॥ गीत वरात्री गेषु मिमथनाल ॥ ॥ संज्ञा नमः
कंजलकलिसुदनपुविमत्राधमाधवसमीप मिहविलसतगिर

३४

गाम.

सहसितवदनं ॥ १ ॥ नवरुवदलकदलभयनसात्र पुविमत्राधमाधवः
समीपमिहविलसद्वचकलभनलहात ॥ २ ॥ कसुमवयनचिन्मुविवस
लमह पुविमत्राधमाधवसमीप मिहविलसद्वचकसुमसुमानदह ॥ ३ ॥ च
लमलयवनपवनसुनकिमीन पुविमत्राधमाधवसमीप मिहविलसत
वलितलालितघीन ॥ ४ ॥ मधुनदिनमधुपकलकलितनावः पुविमत्राधमा
धवसमीप मिहविलसमदननससुनसखाव ॥ ५ ॥ मधुननपिकनिः

गी० एम
३७

कत्रनिदमृवत्र प्रविमत्राधमाधवसमीपः मिहविलसदमनत्रवित्रवित्रमि
स्वम ॥ १ ॥ विततवद्रवलिमवयववचनः प्रविमत्राधमाधवसमीपः विः
हविलसवित्रसलसपीनजघन ॥ २ ॥ विहितपद्मादिसुखसमाजः कुरसु
नानसंगलभानिः हलनिजयदवकविनाजनाज ॥ ३ ॥ ॥ त्वां विदुनवि
नेवहनयमनिष्ठां गारुभेगापिनः कंदर्पलाचपातुमिहमिहसूक्ष्ममेवाधविंवा
धनः त्रस्यांकंदलंकुरकला मिहपुष्पयलकीनवकीनदासं वायसविन

३७

ग म

गोधावदन ॥ २२ ॥

पदां राजकृतः संयमः ॥ साससाधससानचं गविदलाललाचनासिंजानमंरु
मंजीनं प्रविवभनिवभनं ॥ ॥ गीतदधवराजीनागनूपकमालं ॥ ॥
गोधावदनविलाकनविकमिनः विविधविकानविलगंः जलनिधिमिद्वि
धूमलुलदधनः नयलिमउंगनगं ॥ हनिमकत्रसंचित्रमरिलविनविलाः
संसाददधगुत्रहर्ववभंवदवदनसंगविकाभं ॥ १ ॥ हनममलननना
नमूनसिदधनं पत्रिलं वविह्नः स्फुटहं हलकदंवकत्रं विनः मिवयमून

न १

गो. ७५
३७

जलधूतं ॥ २ ॥ ॐ मलमूत्रलवणमलुलमभिगमलमेतद्रक्तं नीलनलिनमि
वपीनयनागघटलरुनवलितमलं ॥ ३ ॥ मलमूत्रलवणमलुलमभिगमलमेतद्रक्तं नीलनलिनमि
जलधूतं ॥ ४ ॥ मलमूत्रलवणमलुलमभिगमलमेतद्रक्तं नीलनलिनमि
वदनकमलयत्रिभालनमिलिनमिहिनममकं उल्लसत्तं मितवृचिकसूमः
समूलसिनाधनयल्लवणनवमिल्लो ॥ ५ ॥ मलमूत्रलवणमलुलमभिगमलमेतद्रक्तं नीलनलिनमि
नसूदनकसूमसूकं मितिमित्रादितविधूमं उल्लसत्तं मितवृचिकसूमः

३७
गम.

म२

मं ॥ १ ॥ विपुलपूलकरुनदं रुचिर्नत्रनिकलिकलारिनधीनं मलिनलकिन
लसमूहसंकलरुखलसूरुगभनं ॥ २ ॥ मलमूत्रलवणमलुलमभिगमलमेतद्रक्तं नीलनलिनमि
रुनरुखलरुनं प्रलमनद्रदिविनिभअहनिंभुचिनंरुक्तं नदयसात्रं ॥ ३ ॥
वृत्तिवृत्तायां मलुवलेपथपर्यन्तमनपयासनं वाक्कासुत्रलनत्रगात्रं पगितयाः
वृत्तानीनाधयाः प्रियममसमालाकलमद पधानं मदावृषसत्रं वदवीधु
निकनः ॥ ४ ॥ मलमूत्रलवणमलुलमभिगमलमेतद्रक्तं नीलनलिनमि

गी. ०. ८५

३७

गालीपत्रिजनः प्रियास्यं पद्मं त्याः स्मरसुत्रमाकूटभुरगंसलकूयालकूयागमदनि
रुत्रं मृगदृशः ॥ जयश्री विनामर्म्महि न ॐ वमन्दात्रसूक्रमः स्वयंसिद्धत्रलद्वियत्रल
मृदामृदिन ॐ वः शुभापीठकी जहन्कवलयापीठकत्रिलः प्रकीर्त्या सुविचूक
यनिरुजदं जमूत्रजिनः ॥ ॥ ॐ निश्री जयदवक्षगो गीतलम विन्द विं गा कू ले म
विन्दानामप्रकादमः सर्मः ॥ ॥ ११ ॥ गतवतिसखी वृक्षमन्त्रयारुनिरु
त्रः स्मरपत्रवम्भकूतस्तेनस्मितस्त्रपिगाधनः स्मरसमलसदृक् मूर्धन्यवयले

३७

नाम.

किं भवति ॥ २३ ॥ २

वयमत्रमयननिक्षिपाक्षी मृदायहनिः प्रियां ॥ ॥ गीतविरासनालमुकता
लीगाल ॥ ॥ किमल यमयनतलकूत्रकामिनिचत्रल कमल विनिवम्भं कव
पदयल्लवत्रियनारुवमिदमनूरुवकुसुवम् ॥ कलमधूनानायायलमनूगनम
नूरुजत्राधिक ॥ १ ॥ कनकमलनकनामिवत्रलमहमागमितासिविद्वनः कल
मृयकूत्रमयनायत्रिमामिव नूत्रमनूगनिभूलं ॥ २ ॥ वदनलभानिधिगलि
तममृकमिवनचयवचनमनूकलं विनहमिमापनयामियथाधननाध

गी. एम

३८

कमूत्रसिद्धकूलं॥ ३ ॥ प्रिययत्रिंरुलनरुमवलितमित्रपूलकिमवनीवदू
नापंमधूत्रसिद्धकूलंविनिवभयभाषयमनसिऊगायं॥ ४ ॥ नृधनसूक्ष्मः
नममूयनयलविनिजीवयमृगमिवदासं॥ त्वयिविनिहितमनसंविनहानलदग्ध
वपूषमविलासं॥ ५ ॥ अभिमूविप्रवयमलिनसनागुलमनूगुलकलुनिः
नादं॥ कृमियुगलपिकृतकिंकलममभमयचिनादेवसादं॥ ६ ॥ मामनिवि
हलनूवाविकलीकृतमवलाकिउमधूनदं॥ नीलितलकितामवनयनंनववि

३८

गाम.

नमविष्टजनमिखदं॥ ७ ॥ श्रीजयदेवरुलितमिदमनूयदनिगदितमधूनि
पूमादं॥ जनयउलैसिकजनममनाहननमित्रसुखविभादं॥ ८ ॥ ॥ प्रपू
हःपूलकांकनलनिविजलधुनिमधलवकीजाकृतदिलोकनधनसूक्ष्मपा
कथनमर्महिः॥ नानयनूगमनमनमधकलायुद्धपियस्मिनरुद्ररुतःसतयाव
रुवत्रमिनानंरुःप्रियंरुवकः॥ दार्ढ्यमिंसमिहःपयाधनरुनलपीहितःपा
लिजंमाविद्धादमनःकृतधनपूटः॥ अलीतटनाहनः॥ हलुनानमिहःकच

गी. एम

३२

धनसुखसंदनसंभाहितः कोकः कामपिष्टफिमापनदहा कामसुवाभागतिः ॥
मीलदृष्टिमिलकपालपूलकंभीकात्रनाभावभादवकाकूलकलिकाकृत्रिकसदंभा
लोभाधनं ॥ ॐ मां गययाधनायनिर्घीकृत्रंगीदृ ॥ हर्षात्कयैदिभूकृनिः सह
काधनाधययाननं ॥ मां कं ननिकलिसंकलनलनं रुनयासाहसुपायं कां नज
यायकिंचिद्वयनिघात्रेरियलं रुमाः ॥ निस्यन्ताजघनरुलीमिथिलिनादावलि
लंविनंवकाभीलिनमद्विजोत्रयनसः श्रीलं कृतः सिद्धाति ॥ तस्याः पाटलपालिः

३२

गाम्.

जांकिनमूत्रानिडाकवायदः ॐ निर्वृतिधन ॥ ॐ लिमाविलुलिताः प्रष्टमजा मूर्च्छजाः
कांचीदामदनक्ष्णं चलमितिघाता ॥ ॐ नरिः कामभने सुदहनमल्लय
सूर्यनः कीलितं ॥ व्यालालः कंभयाभस्तुलितमलकः स्वदलालोकेपालोकिः
ष्टाविष्ठाधनशीः कृचकलभत्राहात्रिताहानयष्टिः ॥ कांचीकांदिनाभंस्तु न
जघनयदंपालिनाकायसद्यः पथीसीसात्यनृपेकदपिविलुलितसुन्दरयंघिनाः
ति ॥ ॐ यन्मीलितदृष्टिमुग्धहसितंभीकात्रनाभावभादवकाकूलकलिकाकृ

ग्री. एम

॥ १५४ ॥

विक्रमदंतीमुत्तमेताधनं ॥ ४५ ॥ साहं गयथाधनायत्रिपत्रिचंगभक्तुं गीतुं ॥ ४६ ॥ हर्षः
 कर्मविमुक्तनिस्सहगनाईन्याधमस्याननं ॥ ४७ ॥ निमनसानिगदं तं सूत्रगां न साः
 निगां कविनां गी ॥ ४८ ॥ नाथाऊमदसादत्रमिदमानन्दनलभविन्दं ॥ ४९ ॥ अथको नं त्रिक्का
 नमपिमलुनवां ह्या ॥ ५० ॥ निजमदनिजमाथाथास्वाधीनरुर्दका ॥ ५१ ॥ गीतना
 मकत्रा नागत्रयकमाल ॥ ५२ ॥ कृत्स्नदूनन्दनचन्दनमिमित्रनत्रल्लेकनल
 यथाधनं ॥ ५३ ॥ ममदयप्रकमप्रमनारुवमंगलकलसहादने ॥ ५४ ॥ निजमदसाय

80

गाम.

इन्द्रनदी उतिहृदयानन्दन ॥ १ ॥ अलिकल गंजन संजन केतु निनायक, अय
 कभावन ॥ लवधन चमन लंविठ ककुल भूकल यप्रियलाचन ॥ २ ॥ नयनक
 नंगन गंगविका भनिनासक नंरुतिन पुलः मनसि जया भविलासधनं रुवे
 निवभयक पुल ॥ ३ ॥ अमनचयं नचयं नसूयति नृचि नं सुदिनं मम सीमुखः
 किन कमलयति कर्मयन म्मजन कमल के मुख ॥ ४ ॥ मृगमद नसुवलि गंल
 लिनं कृत्तिल कमलिक नजनी क न विहिग कलंक कलंक मलान न विभु मिग

—

श्री. एम

[illegible]

ग. म.

दिनः प्रीतः प्रीतां वनापि न थाः कना ॥ यद्वा भव कला सुको भल मनुष्या न च यद
पूर्व यद्वा न विव कन ल मपि यत्वा यद्वा लायुतं न सत्त यद वया लुन क वः क
ध्व कना न स्मनः सान न्धाः पनिल्ल भयं दु सु रि यः क्षी म न ल भ विन्दनः ॥ पर्य की ह
न नाग नाय क रु ल्ल भली मली नांग लः संकां न प्र नि वि व सं व ल न या वि उ द प
वि क्रिया भ ॥ पा दां ल न ह धा नि वा नि धि सु ना म ह्नी दि ह्दुः भ नः का य वू ह मि
वा य नं दु य चि ना न न्धा ह निः पा उ वः ॥ त्वा म प्रा य म चि क्क यं व न य नां दी ना द नी

गी. ६५

४२

नादप्रभं कसुन्दरिका लहरी मयि वन्द्यमदायीपतिः ॥ वृक्षं पर्वकथारि नयम
नसा विविधवैद्योचनं नाभयास्तनकात्रकायनिमित्तं मेरीहनिः दातुवः ॥ सधी
माधीक। वंशानरुवगिरुवः ॥ अर्कप्रकर्षनासिद्राक्षदक्षनिकला ममममसि
क्षीननीनं वत्स ॥ मान्यकंदकोनाधनधनलिनं गंगकयनी वयावहा वीर्य
गात्रसात्रस्यममजयदवस्यविध्वं वीर्य ॥ मानिनीमानविध्वंसदक्षीय
गिसांप्रगं मृदुवैलूममृदुनः श्रीमपालकलधनिः ॥ श्रीराजदेवप्रवस्य

४२

गाम.

१२

मेधमयन ॥ २५ ॥

वामादवीसूतधीजयदवकस्य ॥ पनाभनादिप्रियवर्गक ॥ श्रीगीतलमविच
कविचुसमु ॥ ॥ वृक्षिगीतलमविचस्यधीनरुद्रकावर्णनधीजयदव
कविनाजकनः सुधीनपीताम्वनानामद्वादशः लम् ॥ ॥ १२ ॥ गीतल
लिननागजमिनाल ॥ ॥ मधूमथनमूर्तिवत्रमिन्दुकनक मृदुवैलूमसिव
द्रवात्रिसूतत्रंगः ॥ हविचत्रलनरुद्रिद्रनजगउन्दनिगीतावृक्षजलयाउक
नसंल ॥ ननादनिगीतलमविचलममलकनन्द ॥ १ ॥ लमसिजल

गो. एम

४३

पावनिचरुत्रदधिगमिनीसफरिसूक्तसामे. कनकगिरिलंविनासकले
मनिवंदिताहनमूक्तसुत्रकूममाल ॥ २ ॥ हनिविलसुनिगनेनि
हनिविलसुनगमोवहनिविलवदेदेदान. सुयसपियसगीमसजकूम
निकनकससागगात्र ॥ ३ ॥ मुरुसलिलनिर्धूमपुलिनावगीकूर्चनान
वनामनिर्मलालापं. वीदिताविंकितापीविगावमहिनामकूनामयहन
सियापं ॥ ४ ॥ गन्धूखजलमिधितंसगतभवकवजयनिकतिमकनगं

४३

गो. म.

हीनगाय. पत्रलाकवंधुत्रसिंहटिनिसूत्रसिंधुत्रसिसूत्रसदनसाधनाया
य ॥ ५ ॥ कीर्धवनकानिलीसुत्रगज्जात्रिलीहिम. लेलयाबालरुद. पाव
यसिनागत्रंपुत्रयसिसागत्रंसंगताविंध्वगिरिपाद ॥ ६ ॥ सगतसूक्तसंग
भास्वसदमनसूचनीइहिकदः कनइनाय. नित्रयगतिवाधिकनिर्बोले
साधिकरुकऊनविहितसंगय ॥ ७ ॥ हनिनामलसू. लेकोलिकानूर
यासूत्रसत्रितिकननमस्कारं. रुनिगमिदमादत्रंधीगजयदवकविल

बाशा सफ़-कथियात उपहार !

गी० एम

子

[illegible]

42